MP Board Class 9th Hindi Navneet Solutions गद्य Chapter 6 एक कुत्ता और एक मैना

बोध प्रश्न

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1.
लेखक सर्वव्यापक पक्षी किसे समझ रहा था?
उत्तर:
लेखक सर्वव्यापक पक्षी'कौए' को समझ रहा था।

प्रश्न 2.
दूसरी बार सबेरे गुरुदेव के पास कौन उपस्थित था?
उत्तर:
दूसरी बार गुरुदेव के पास स्वयं लेखक हजारी प्रसाद द्विवेदी उपस्थित थे।

प्रश्न 3.
लेखक के अनुसार मैना कैसा पक्षी है?
उत्तर:
लेखक के अनुसार मैना दूसरों पर अनुकम्पा दिखाने वाला पक्षी है।

प्रश्न 4.
गुरुदेव कहाँ रहते थे?
उत्तर:
गुरुदेव श्री निकेतन के पुराने तिमंजिले मकान में रहते थे।

प्रश्न 5.
गुरुदेव ने शांति निकेतन को छोड़ कहीं और रहने का मन क्यों बनाया?
उत्तर:
गुरुदेव ने शंति निकेतन को छोड़कर स्वास्थ्य के गड़बड़ होने के कारण दूसरी जगह रहने का मन बनाया।

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1.
निम्नलिखित वाक्यों का आशय स्पष्ट कीजिए-
(क) भावहीन दृष्टि की करुण व्याकुलता जो कुछ समझती है, उसे समझा नहीं पाती और मुझे इस सृष्टि में मनुष्य का सच्चा परिचय समझा देती है।
उत्तर:
आशय-गुरुदेव शान्ति निकेतन छोड़कर श्री निकेतन में रहने लगते हैं। उनका पालूत कुत्ता अपने अन्तर्मन से

गुरुदेव का नया ठिकाना ढूँढ़ लेता है। वह दो मील की दूरी बिना किसी के बताये अकेला ही तय करके गुरुदेव के पास पहुँच जाता है। उस कुत्ते की भावदृष्टि की करुणामय व्याकुलता ने बिना भाषा के प्रयोग किए ही गुरुदेव को समझा दिया कि उसका लगाव गुरुदेव के प्रति सच्चा है।।

(ख) "सबेरे की धूप में मानो सहज मन से आहार चुगती हुई झड़े हुए पत्तों पर कूदती फिरती है सारा दिन।"
उत्तर:
आशय-लेखक कहता है कि वह विधवा मैना सबेरे के समय की धूप में सहज भाव से अपने आहार को चुगती हुई पेड़ से गिरे हुए पत्तों पर पूरे दिन कूदती फिरती रहती है।

(ग) मूक प्राणी मनुष्य से कम संवेदनशील नहीं होते।
उत्तर:
आशय-लेखक कहता है कि बोलने की क्षमता ईश्वर ने केवल मनुष्य को प्रदान की है पर मूक प्राणी भी मनुष्य से किसी भी दशा में कम संवेदनशील नहीं होते हैं। कहने का भाव यह है कि इन मूक प्राणियों को भी दुःख सुख, हर्ष-विषाद की अनुभूति होती है और उसे वे अपने आचरण से व्यक्त कर देते हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1.
हजारी प्रसाद द्विवेदी के लेखन कला की विशेषताएँ लिखिए।
उत्तर:
हजारी प्रसाद द्विवेदी ने निबंध, उपन्यास, आलोचना, शोध हिन्दी साहित्य का इतिहास आदि विविध विषयों पर अपनी लेखनी चलाई है। इन विविध विषयों में उन्होंने अनेक शैलियों का प्रयोग किया है। आपने अपनी रचनाओं के अनुरूप ही भाषा का प्रयोग किया है। उनकी भाषा के तीन रूप हैं-तत्सम प्रधान, तद्भव प्रधान एवं उर्दू-अंग्रेजी शब्द युक्त व्यावहारिक रूप। आपकी भाषा प्रांजल, सुबोध एवं प्रवाहमय है। शब्द चयन उत्तम और वाक्य-विन्यास सुगठित है। यथास्थान आपने लोकोक्तियों एवं मुहावरों का भी प्रयोग किया है।

प्रश्न 2.
निबंध गद्य साहित्य की उत्कृष्ट विधा है, जिसमें लेखक अपने भावों और विचारों को कलात्मक और लालित्यपूर्ण शैली में अभिव्यक्त करता है। इस निबंध में उपर्युक्त विशेषताएँ कहाँ झलकती हैं? किन्हीं चार विशेषताओं को लिखिए।
उत्तर:
लेखक ने अपने भावों और विचारों को कलात्मक और लालित्यपूर्ण शैली में इस अंश में व्यक्त किया है, उदाहरण प्रस्तुत है "एक दिन हमने सपरिवार दर्शन की ठानी। दर्शन को मैं जो यहाँ विशेष रूप से दर्शनीय बनाकर लिख रहा हूँ। उसका कारण यह है कि गुरुदेव के पास जब कभी मैं जाता था तो प्रायः वे यह कहकर मुस्करा देते थे कि 'दर्शनार्थी हैं क्या?' शुरू-शुरू में मैं उनसे ऐसी बांग्ला में बात करता था जो वस्तुतः हिन्दी मुहावरों का अनुवाद हुआ करती थी।"

एक अन्य उदाहरण प्रस्तुत है-
"गुरुदेव वहाँ बड़े आनन्द में थे। अकेले रहते थे। भीड़-भाड़ उतनी नहीं होती थी जितनी शांति निकेतन में। जब हम लोग ऊपर गए तो गुरुदेव बाहर एक कुर्सी पर चुपचाप बैठे अस्तगामी सूर्य की ओर ध्यान स्तिमित नयनों से देख रहे थे। हम लोगों को देखकर मुस्कराए, बच्चों से जरा छेड़छाड़ की, कुशल प्रश्न पूछे और फिर चुप हो रहे।"

https://www.evidyarthi.in/

अन्य उदाहरण-
“इसकी भावहीन दृष्टि की करुण व्याकुलता जो कुछ . समझती है, समझा नहीं पाती और मुझे इस सृष्टि में मनुष्य का सच्चा परिचय समझा देती है।

अन्य उदाहरण-
“सबेरे की धूप में मानो सहज मन से आहार चुगती हुई झड़े हुए पत्तों पर कूदती फिरती है, सारा दिन।”

प्रश्न 3.
करुण मैना को देखकर गुरुदेव ने कविता लिखी, उसका सार अपने शब्दों में लिखिए।
उत्तर:
“उस मैना को आज न जाने क्या हो गया है? वह न मालूम अपने दल से क्यों अलग हो गई है? पहले दिन मैंने उसे एक पैर से लंगड़ाते हुए देखा था। इसके बाद नित्य प्रात:काल मैं उसे देखता हूँ तो वह अकेली ही बिना अपने नर मैना के कीड़ों का शिकार किया करती है और नाच-कूदकर इधर-उधर फुदकती रहती है। उसकी यह चिंतनीय दशा क्यों हो गई, इसे मैं बार-बार सोचा करता हूँ।”

भाषा अध्ययन

प्रश्न 1.
निम्नलिखित शब्दों में से रूढ़ योगरूढ़ और यौगिक शब्द अलग-अलग कीजिए।
विद्यानगर, त्रिवेणी, महादेवी, श्रीहीन, असामयिक, चरण, निर्मल, काव्य-सरोवर, दशानन, दशरथनन्दन, प्रसाद, अनुराग, विवेकानन्द, ब्रजनंदन, गुण, चहलकदमी।
उत्तर:
रूढ़ शब्द – चरण, प्रसाद, गुण।
योगरूढ़ – विद्यानगर, त्रिवेणी, महादेवी, श्रीहीन, निर्मल, दशानन, अनुराग विवेकानन्द।
यौगिक – असामयिक, काव्य-सरोवर, दशरथनन्दन चहलकदमी।

प्रश्न 2.
निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए।
उत्तर:

1. विभूतियाँ-हिन्दी साहित्य में अनेक विभूतियाँ! उत्पन्न हुई। यथा-रामचन्द्र शुक्ल, हजारीप्रसाद द्विवेदी, भारतेन्दु, हरिश्चन्द्र विद्यानिवास मिश्र आदि।
2. अधिवेशन-हिन्दी परिषद् का अधिवेशन आगामी में 15 अप्रैल, 2008 को होगा।
3. अवसाद-मनुष्य के जीवन में कभी-कभी अवसाद के क्षण आ जाते हैं।
4. आशुतोष-शिव भगवान आशुतोष हैं।
5. रसानुभूति-अच्छी कविता पढ़ने में पाठकों को रसानुभूति होती है।
6. गंगाजल-भारतीय संस्कृति में गंगाजल बड़ा पवित्र माना जाता है।

प्रश्न 3.
निम्नलिखित शब्दों की शुद्ध वर्तनी लिखिए।
उत्तर:
दुरभाग = दुर्भाग्य; आसुतोष = आशुतोष; औजसवी = ओजस्वी; अनकूल = अनुकूल; विशाद = विषाद; निशतेज = निस्तेज; साहित्यक = साहित्यिक।

प्रश्न 4.
निम्नलिखित वाक्यांश के लिए एक शब्द लिखिए।
उत्तर:

1. हृदय को स्पर्श करने वाली दृष्टि = हृदयस्पर्शी, मर्म-स्पर्शी।
2. साहित्य की रचना करने वाला = साहित्यकार।
3. जानने की इच्छा = जिज्ञासा।
4. रस की अनुभूति करना = रसानुभूति।
5. जो पढ़ा-लिखा न हो = अशिक्षित।
6. जो सब जगह व्याप्त हो = सर्वव्यापक।

प्रश्न 5.
निम्नलिखित शब्दों के युग्मरूप लिखिए।
उत्तर:
समय-असमय; अवस्था-अनअवस्था; शक्ति-भक्ति; दिन-रात।

प्रश्न 6.
पाठ में आये वाक्यांशों के अर्थ लिखिए।
उत्तर:
विद्यार्थी पाठ पढ़कर स्वयं लिखे।।

प्रश्न 7.
नीचे पाठ के आधार पर कुछ शब्द-युग्म दिये गए हैं, जैसे-संभव-असंभव, स्वस्थ-अस्वस्थ।
इसी तरह पाठ से कुछ शब्द चुनिए एवं अया अन् उपसर्ग लगाकर नए शब्द बनाइए।
उत्तर:
प्रगल्भ – अप्रगल्भ
स्थान – अस्थान
अवस्था – अनवस्था
स्वीकृति – अस्वीकृति
करुण – अकरुण
दृष्टि – अदृष्टि
सत्य – असत्य।

प्रश्न 8.
भाषा और बोली में अंतर स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:
बोली बहुत सीमित स्थान में ही बोली जाती है। इसमें लिखा हुआ कोई साहित्य नहीं होता है। जब बोलने वालों का क्षेत्र बढ़ जाता है तब बोली भाषा बन जाती है और भाषा में साहित्य का सृजन होने लगता है। कभी-कभी राजनैतिक कारणों से किसी बोली का स्थान ऊँचा उठ जाता है जैसे कि आज की खड़ी बोली जो राष्ट्रभाषा के पद पर बैठी है वह स्वतन्त्रता से पूर्व केवल दिल्ली, गाजियाबाद, मेरठ आदि के आस-पास बोली जाती थी। साथ ही उस समय उसमें कोई विशेष साहित्य भी नहीं था। पर दिल्ली राजधानी होने से उसका स्थान बहुत ऊँचा हो गया है और वह आज राष्ट्रभाषा मानी जाती है अर्थात् पूरे देश की मानक भाषा। ब्रज, अवधी आदि भाषाएँ हैं।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 9.
मध्य प्रदेश की प्रमुख चार बोलियों के नाम लिखिए।
उत्तर:
ग्वालरी, भदावरी, उज्जैनी, मालवी।